

आता रहता हूँ मैं दर तुम्हारे मगर

आता रहता हूँ मैं दर तुम्हारे मगर
कभी तुम भी मेरे घर आया करो
सुनते हो सारे सबके दिल की सदा
कभी अपने भी दिल की सुनाया करो
आता रहता हूँ मैं

सबपे करते हो तुम मेहरबानियां
गम के मारों की सुनकर कहानियां
देते हो इस कदर प्यार सबको मगर
क्या ये कहता ये नहीं दिल तुम्हारा कभी
कभी मेरी भी सुनने को आया करो
आता रहता हूँ मैं

हर एक डूबे को पल में उबारते
सबका सोया मुकद्दर संवारते
डाल कर तुम नज़र करते ऐसा असर
हो मिटाते सदा सबके दुःख दर्द तुम
पर ना यूँ दर्द अपना छुपाया करो
आता रहता हूँ मैं

है ये विनती मेरी तुमसे सांवरे
रखना सर पे सदा अपनी छाँव रे
है दीवाना मेरा दिल तेरा सांवरे
तुम हो मेरे अगर है कसम ये तुम्हे
राज हमको भी अपना सुनाया करो
आता रहता हूँ मैं

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21966/title/aata-rehta-hu-main-dar-tumhare-magar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |